आदिवासी किशोरी के शव को हाथों में ले जाने को मजबूर हुए परिजन

वाहन न मिलने से दोपहर में सड़क किनारे रखा रहा शव, पुलिस प्रशासन की बड़ी लापरवाही आई सामने

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। रविवार दोपहर को डेढ़ बजे जब पारा 40 डिग्री के पार था और जमीन भट्टी जैसे तप रही थी। ऐसी भीषण गर्मी में बहादुरपुर कस्बे में सड़क किनारे एक आदिवासी किशोरी का शव सड़क किनारे गुदड़ी में लिपटा हुआ रखा था। इस शव के पास में किशोरी का भाई और बहनाई खड़े हुए थे। जिन्होंने बताया कि शनिवार शाम को किशोरी का शव अपने घर में फंदे पर लटका पाया गया था, जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरपुर लाया गया। चूंकि रात हो चुकी थी इसलिए पोस्टमार्टम रविवार सुबह दस बजे किया गया। इसके बाद परिजनों ने शव को घर तक पहुंचाने के लिए पुलिस, 112 हेल्पलाईन नंबर और जिला अस्पताल के शव वाहन का प्रबंध करने के काफी प्रयास किए साथ ही निजी ऑटो टैक्सी वालों के भी मान-मनौव्वल किए, लेकिन करीब साढ़े तीन घंटे तक जब शव को घर तक ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं हुई, तो उन्हे मजबूरन हाथों में ही उठाकर शव को घर तक ले जाने का मन बनाना पड़ा। परिजन शव को अस्पताल से करीब दो सौ मीटर दूर तक ले आए थे, इतने में इसकी जानकारी आमजनों को हुई तो एक कार की व्यवस्था कर शव को घर तक पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम खेरोदा चक्का में 15 वर्षीय मन्तोबाई पुत्री रामचरण आदिवासी ने अज्ञात कारणों के चलते घर के एक कमरे में फांसी के फंदे पर झूल गई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। वहीं घटना की जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पीएम उपरांत मृतिका के शव को घर ले जाने के लिए परिजनों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ी।

रातभर जागकर खुद की रखवाली

बहादुरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर के एक कोने में 64 वर्गफीट का पोस्टमार्टम कक्ष बना हुआ है। इस कक्ष के चारों ओर कचरे के ढेर लगे हैं और नालियों का गंदा पानी जमा रहता है। साथ ही झाड़ भी खड़े हुए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखवा दिया, लेकिन इसके बाद सारी रात जागकर परिजनों को शव की रखवाली आवारा कुत्तों एवं चूहों से करनी पड़ी। परिजनों ने बताया कि कक्ष में ताला लगा हुआ था, लेकिन वहां रखवाली की कोई व्यवस्था नहीं थी।

व्यवस्थाओं पर उठे सवाल:

इस घटना में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। जिसमें अजा वर्ग की एक किशोरी की संदेहास्पद मौत के बाद भी उसके शव को न तो किसी कपड़े या पॉलीथिन में लपेटा गया और न ही उसे घर तक पहुंचाने के लिए कोई साधन की व्यवस्था की गई। यही नहीं किशोरी के शव को पोस्टमार्टम कक्ष से बाहर तक लाने के लिए स्ट्रेचर एवं वार्डबॉय नहीं लाए बल्कि परिजन स्वंय उसे हाथों में उठाकर लाए।

महिला पुलिसकर्मी का मौजूद होना जरूरी:

मृतक किशोरी के भाई धासीराम आदिवासी ने बताया कि घटना के बाद जब पुलिस को सूचना दी गई, तो मौके पर पुरुष पुलिसकर्मी ही पहुंचे थे। कुछ देर बाद तहसीलदार बहादुरपुर भी आ गए। जिनके साथ में शव को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। किशोरी के शव को साथ लाने के लिए कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं लाई गई थी। हालांकि रविवार सुबह जब पोस्टमार्टम हो रहा था तब एसडीओपी मुंगावली जरूर अस्पताल में आ गई थीं।

इनका कहना है।

पोस्टमार्टम वाले मामलों में शव को अस्पताल तक लाने, उसकी सुरक्षा करने, पोस्टमार्टम कराने एवं पोस्टमार्टम उपरांत शव को घर तक पहुंचाने की व्यवस्था पुलिस की होती है। हमारे अस्पताल में शव वाहन नहीं है, जिला अस्पताल से शव वाहन बुलाने के प्रयास कई बार किए हैं जो असफल साबित हुए।

डॉ. यशवंत सिंह तोमर,
सेक्टर मेडिकल ऑफिसर,
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरपुर

नीट की परीक्षा में 830 परीक्षार्थी हुए शामिल, 16 रहे अनुपस्थित

परीक्षा के लिए बनाए गए थे दो केंद्र

कलेक्टर ने किया दोनों केंद्रों का निरीक्षण

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट) राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए जिला मुख्यालय पर दो केंद्र बनाये गये। रविवार को पीएमश्री नेहरू महाविद्यालयएवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पर नीट परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा में कुल 830 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे और 16 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों केंद्रों पर कलेक्टर साकेत मालवीय ने पहुंचकर निरीक्षण किया और केंद्र प्रभारियों से चर्चा की। कलेक्टर ने शासकीय नेहरू महाविद्यालय के केंद्राध्यक्ष डॉ. रेणु राजेश एवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के केंद्राध्यक्ष बीके बामोरिया से जानकारी ली। शासकीय नेहरू महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर 480 विद्यार्थियों में से 7 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। तो वहीं 473 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पर 366 विद्यार्थियों में से 9 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे तथा 357 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे। वहीं परीक्षा केंद्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये थे। शासकीय नेहरू महाविद्यालय पर अशोकनगर तहसील से प्रभारी नायब तहसीलदार मुकेशकुमार दुबे एवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पर तहसील शाढ़ौरा से नायब तहसीलदार कार्तिकेय मुदगल उपस्थित रहे। साथ ही परीक्षा को निर्विघ्न एवं सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला पंचायत सीईओ राजेशकुमार जैन को नोडल अधिकारी एवं डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, संयुक्त कलेक्टर आरबी सिंडोसकर असिस्टेंट ऑफिसर फॉर नोडल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन एवं पूर्णिमानंद व्यास सहायक ग्रेड-3 कलेक्ट्रेट को सपोर्ट स्टाफ फॉर नोडल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन बनाया गया था।

धूप से बचने लगाया गया टेंट, पूर्ण चैकिंग के बाद दिया प्रवेश:

नीट परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा बेहत्तर व्यवस्थाएं की गई थी, जहां सुरक्षा के लिए परीक्षा केंद्र परिसर के अंदर और बाहर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। तो वहीं परीक्षार्थीयों को पूर्ण चैकिंग के बाद परीक्षा के लिए प्रवेश दिया। तो वहीं दोपहर में परीक्षाआयोजित होने की बजह से टेंट आदि लगाकर छाया की व्यवस्था की गई थी। तो वहीं परीक्षा के दौरान परीक्षार्थीयों के परिजन केंद्र के बाहर अपने-अपने वाहनों पर बच्चों के आने का इंतजार करते हुए देखे गए। तो वहीं सुरक्षा में लगे कर्मि धूप तेज होने की बजह से पसीना पोछते नजर आए।

एक नजर में

आईपीएल सट्टा मामले में पुलिस को मिले करोड़ों के लेन-देन के सुराग

अशोकनगर। चंदेरी पुलिस द्वारा विगत दिनों पकड़े गए ऑनलाइन आईपीएल सट्टा के मामले में अहम सुराग मिले है। जिसके चलते पकड़े गए आरोपियों के मोबाइल से करोड़ो रूपये के लेनदेन का खुलासा हुआ है। चंदेरी थाना प्रभारी ने बताया कि विगत दिवस पकड़े आरोपी दीपक धाकड़ की ऐजेन्ट आईडी व अन्य 52 क्लाइन्ट आईडीयों मे करोड़ो के सट्टे के लेनदेन का सुराग मिला है। वहीं पकड़े आरोपियासें से और पूछताछ की जा रही है और ऑनलाइन सट्टा मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे है। वहीं पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने उक्त कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

मेला समापन के बाद कथा का आयोजन

शाढ़ौरा। नगर मै चले श्री मारुति पशु मेला के शांति पूर्ण समापन के बाद हनुमान टेकरी मन्दिर पर विगत दिवस कथा हबन का आयोजन किया गया। सबुह नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहोर और उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संगीत अरविंद रघुवंशी टेकरी मन्दिर पहुंचे, जहां विधि विधान से पूजा अर्चना की और मंत्रोच्चारण के साथ भगबान की कथा कराते हुए प्रसादी बितरन किया गया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहोर ने बताया कि हनुमान चैती पूर्णिमा पर श्री मारुति पशु मेला, रामलीला का झंडा गाडा गया था, 15 दिन चले इस मेले मै बड़ा आनंद आया और भव्य रहा मेले को देखने बड़े दूर-दूर से लोग पहुंचे, इसी सफल आयोजन के बाद आज हबन पूजन कराया गया। इस अवसर नगरपरिषद के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सरोवर पर चलाया स्वच्छता अभियान

शाढ़ौरा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न जल स्त्रोतों (नदी/तालाब) के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रदेशभर में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में विगत दिवस नगर के समाज सेवी रहे तत्कालीन ग्राम पंचायत के उपसरपंच स्व.धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी की 16वी पुण्य तिथि पर नगर परिषद द्वारा धर्मेंद्र सरोवर तालाब पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान नप अध्यक्ष अशोक माहोर के नेत्रत्व मे नगरपरिषद के कर्मचारियों और आम लोगों ने श्रमदान किया। इस मौके पर अध्यक्ष श्री माहोर ने बताया की इस धर्मेंद्र सरोबार तालाब की नींब सन् 2010 मै रखी गई थी उन्हें जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने हेतु जागरूक करते हुए क्षेत्र की नदियों, तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए

जिस घर गूंजना थी शहनाइयां, वहां पसरा मातम

सड़क हादसे में दादा की मौत,बुआ घायल, पोतियों की शादी की कर रहे थे तैयारी

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। कचनार थाना अंतर्गत हुई एक सड़क दुर्घटना में एक 58 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, तो वहीं लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिलाअस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम सराई निवासी भंवरलाल पुत्र अमोल सिंह अहिरवार अपनी पोतियां की शादी की तैयारी कर रहे थे, इसी के चलते वह रविवार को अपनी बहन को लेने के लिए ग्राम भेंटुआ गए थे,जहां से वह अपनी बहन इमरतबाई और उनकी पोती भावना को बाईक से लेकर अपने गांव आ रहे थे, इसी बीच रास्ते में एक चार पहिया वाहन को बचाने के दौरान वह सड़क के साइड में हुए, तो सामने आ रहीं एक तेज रफ्तार मोटरसाईकिल में उनमें टक्कर मार दी, जिसके चलते बाईक पर सवार तीनों लोग घायल हो गए, तो वहीं दूसरी बाईक सवार युवक भी घायल हुआ। घटना की जानकारी लगने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सभी घायलो को लेकर जिलाअस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत भवंरलाल को मृत घोषित कर दिया। तो वहीं गंभीर हालत में इमरतबाई को उपचार के लिए भर्ती किया गया है। वहीं भावना की आंख में चोट लगी है। वहीं पुलिस ने मृतक के शव का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

घर में गूंजनी थी पोतियों की शादी की शहनाईयां:

मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक के घर में दो दिन बाद शादी की शहनाईयां गूंजनी थी, जिसकी तैयारियां उनके द्वारा की जा रहीं थी। परिजनों ने बताया कि आगामी 5 एवं 7 मई को उनकी दो पोतियो की शादी थी, लेकिन इस हादसे में शादी की तैयारियों पर पानी फेर दिया। वहीं घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों सहित ग्रामीणों को लगी तो वह पूरा गांव शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी पोतियों की शादी बड़ी धूमधाम से करना चाह रहे थे, जिसकी तैयारियां उनके द्वारा की जा रही थी।

मेमो ट्रेन के चार फेरों की मांग

नवभारत न्यूज

शाढौरा। बीना-गुना रेलखंड की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान को लेकर एक बार फिर जनहित की सशक्त और प्रभावी आवाज बनकर उभरे हैं सुनील आचार्य। यात्री सेवा संगठन, मध्य प्रदेश से जुड़े और XZRCC सदस्य आचार्य ने मेमू ट्रेन (गाड़ी संख्या 61611/12) की समय-सारणी में ऐसा व्यावहारिक और दूरदर्शी प्रस्ताव रखा है, जो न केवल यात्रियों की रोजमर्रा की परेशानियों को कम कर सकता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की क्षमता रखता है। सुनील आचार्य ने मेमू ट्रेन के चारों फेरों का सुविचारित समय निर्धारण प्रस्तुत किया है। यह प्रस्ताव केवल समय बदलने का सुझाव नहीं, बल्कि हजारों यात्रियों—छात्रों, कर्मचारियों, व्यापारियों और मरीजों—की जरूरतों का गहन अध्ययन कर तैयार किया गया समाधान है। उन्होंने पहले फेरा सुबह 5:30 बजे का बताते हुए दिन की शुरुआत को आसान बनाने वाला यह फेरा सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं दूसरा फेरा सुबह 8:45 बजे, रुठियाई से बीना का बताया, जिसके बारे में कहा गया है कि यह फेरा कनेक्टिविटी की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं तीसरा फेरा दोपहर 3:50 बजे बीना से रुठियाई के लिए बताया है, जो दिनभर काम करने वाले लोगों के लिए यह समय बेहद राहत देने वाला है। इसके अलावा चौथा फेरा रात 8:40 बजे, रुठियाई से बीना के लिए बताया जो सबसे ज्यादा प्रभावशाली साबित हो सकता है। क्योंकि इंदौर-कोटा से आने वाले यात्रियों को सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे उन्हें 8-9 घंटे की लंबी प्रतीक्षा से मुक्ति मिलेगी। इससे समय, सुरक्षा और खर्च—तीनों की बचत होगी और लोगों को लाभ मिलेगा।

सीटी बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद,FIR दर्ज

पुलिस को पहुंचकर करना पड़ा बीच-बचाव

घटना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। देहात थाना अंतर्गत कोलुआ रोड़ पर सीटी बजाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में विवाद हो गया, विवाद इतना बड़ा कि पुलिस को मौके पर पहुंचकर बीच बचाव करना पड़ा। इसके बाद दोनो पक्षो थाने पहुंचे और एक दूसरे पर कमेंट, गाली-गलौच एवं मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाने पहुंची युवती ने बताया कि वह टिपिन सेंटर चलाती है, जिसके चलते वह शनिवार को कर्मचारी न आने की बजह से वह अपनी सहेली के साथ स्कूटी पर टिपिन देने के लिए लेक सिटी कालोनी गए थे, इसी बीच बंधन

मैरिज गार्डन के पास त्रिलोकपुरी कालोनी विकास रजक ने उन्हें देखकर सीटी बजाई और कमेंट किये, इसके बाद वह गार्डन में चला गया, जिसे खोजते हुए वह गार्डन में गई, जहां उसने गाली-गलौच करते हुए मारपीट कर दी। तो वहीं विकास रजक ने बताया कि वह गार्डन में शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपनी बाईक से गया था, जहा प्रियंका जाटव एवं बंदना दुबे द्वारा उससे सीटी बजाने को लेकर विवाद करने लगे, जिस पर उसने कहा कि उसने सीटी नहीं बजाई। जिसके बाद दोनो ने हाथापाई शुरू कर दी। इसके साथ ही पत्थर से उसकी मोटरसाईकिल में तोड़फोड़ कर दी, जिससे उसे काफी नुकसान हुआ।

घटना का वीडियो हुआ वायरल:

कोलुआ रोड़ पर हुए विवाद का वीडियों रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल रहा, जहां दोनो पक्ष एक दूसरे से हाथापाई करते हुए नजर आ रहे है।

इंदौर जा रहीं नाबालिग को पुलिस ने किया दस्तयाब

अशोकनगर। कोतवाली पुलिस ने एक नाबालिग बालिका 23 घंटे में सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। दरअसल नाबालिग इंदौर जाने की फिराक में थी, जिसे पुलिस ने सूचना प्राप्त होने दस्तयाब किया। दरअसल फरियादी द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। वहीं रिपोर्ट के बाद थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा तत्काल टीम गठित कर नाबालिग बालिका एवं अज्ञात आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान तकनीकी संसाधनों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त नाबालिग बालिका पुराना बस स्टैण्ड पर संदिग्ध अवस्था में मौजूद है और इंदौर जाने की फिराक में है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका को पुराना बस स्टैण्ड से सकुशल दस्तयाब किया गया।

धर्म-कर्म

बस्ती के प्रत्येक घर से बनाये जायेंगे संरक्षक

णमोदय तीर्थ के लिए चुने महामहिम और शिरोमणि संरक्षक

नवभारत न्यूज

मुंगावली। णमोदय तीर्थ क्षेत्र के लिए निर्यापक मुनिश्री सुधासागर महाराज ने महा महिम और शिरोमणि संरक्षक के साथ प्रत्येक घर से संरक्षक बनने की बात कही है, उन्होंने इसका महत्व बताते हुए कहा कि जो महा महिम बनेगा उसे कभी भी क्षेत्र में चुनाव नहीं लड़ना होगा और वह इतना पावरफुल होगा कि वह कमेटी भंग करने की भी क्षमता रखेगा। साथ ही एक मंदिर का पद और क्षेत्र के पद में बड़ा अंतर होता है क्षेत्र की शक्ति अलग होती है और मंदिर की अलग होती है और अपने जीवन में जब भी ऐसे मौके मिले उसे खोना नहीं चाहिए, चाहे कुछ भी यदि कुछ न भी बन पाओ तो संरक्षक तो बनना ही चाहिए, जिससे वह वोट डालने का अधिकार पा लेता है, हमने

तो एक क्षेत्र पर एक ऐसा भी श्रद्धालु देखा, जिसने अपने गर्भवती महिला के अंदर पल रहे बच्चे के नाम से संरक्षक बना दिया, चाहे फिर वह लड़का हो या लड़की घर में जितने भी सदस्य सभी को संरक्षक बनना चाहिए, आज आपके यहां इतना बड़ा क्षेत्र बनने जा रहा है आप सभी देखना 5 साल बाद किस तरह यह क्षेत्र आपके लिए लाभकारी और मंगलकारी होगा,बस जरूरत है तो इसे जी जान से बनाने की।

कमेटी जाएगी घर-घर, बनाएगी संरक्षक :

दिगम्बर जैन पंचायत द्वारा संरक्षक के नाम के लिए घर-घर जाकर लोगो को प्रेरित करेगी और तीर्थ क्षेत्र पर संरक्षक बनने के लिए नाम जोड़ेगी, वही मुनिश्री ने पांच केटेगरी निश्चित की है, जिसमें महा महिम,परम शिरोमणि संरक्षक, शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक और संरक्षक नाम शामिल है जिसके अलग-अलग राशि निर्धारित की गई है।

पार्श्व जैन मिलन ने मनाया 61वां स्थापना दिवस

स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित

स्वास्थ्य कैंप में मरीजों की की गई थैरेपी

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। समाज सेवी संस्था मैं अग्रणी संस्था पार्श्व जैन मिलन ने भारतीय जैन मिलन के 61 वे स्थापना दिवस को धूम-धाम से मनाया। इस दौरान राष्ट्रीय मंत्री नरेश चंद्र जैन, शाखा अध्यक्ष मनीष जैन, मंत्री दीपक जैन मलावनी ने बताया कि भारतीय जैन मिलन के स्थापना के 60 बर्ष पूर्ण हो चुके भारतीय जैन मिलन की स्थापना दो मई 1966 को देहरादून में हुई थी। तभी से समाज के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए आज 61 वें बर्ष में प्रवेश कर रहीं हैं। आज तक भारत के अलावा आठ अन्य देशों में कुल 1517 शाखा काम कर रहीं हैं।

पार्श्व जैन मिलन ने स्थापना दिवस पर सोनी कालोनी स्थित जैन मंदिर में प्रात: विश्व शांति हेतु अभिषेक शांति धारा की। इस उपलक्ष्य में सुप्रसिद्ध डा. चिन्मय जैन (एमपीटी मणिपाल) बैंगलोर के सानिध्य में निशुल्क फिजियोथेरिपी केम्प का आयोजन पछाड़ी खेड़ा पर किया। जिसमें रोगियों करीब 80 रोगियों का उपचार थैरपी के माध्यम से किया गया। इस मौके पर नरेश चंद्र जैन, सुभाष जैन, दीपक मलावनी, कमलेश कुमार जैन, प्रवीण जैन, संजीव जैन, राजेश जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।